भारत सरकार
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 814
जिसका उत्तर 04 फरवरी, 2026 को दिया जाना है ।
15 माघ, 1947 (शक)

इलेक्ट्रॉनिकी क्षेत्र में 25 लाख से अधिक लोगों को रोजगार

814. श्री सुरेश कुमार शेटकर:

क्या इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

क. क्या सरकार ने यह सत्यापित करने के लिए कोई आकलन किया है कि इलेक्ट्रॉनिकी क्षेत्र में 25 लाख से अधिक लोगों के रोजगार की रिपोर्ट सटीक है और बढ़ा-चढ़ाकर नहीं बताई गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;
ख. क्या वर्ष 2025 में भारत से आईफोन का निर्यात 2.03 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जोकि वर्ष 2024 के आंकड़ों से लगभग दोगुना है- क्या इसकी स्वतंत्र रूप से संपरीक्षा की गई है और यदि हां, तो सरकार द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं कि अन्य घरेलू विनिर्माताओं को भी निर्यात वृद्धि से लाभ मिले;
ग. क्या सरकार ने विदेशी कंपनियों द्वारा इलेक्ट्रॉनिकी के निर्यात पर प्रभुत्व स्थापित किए जाने के जोखिम पर विचार किया है, जबकि छोटे और मध्यम भारतीय विनिर्माता हाशिए पर चले जाते हैं और यदि हां, तो स्थानीय उद्योग की रक्षा के लिए क्या सुरक्षा उपाय मौजूद हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;
घ. क्या वर्ष 2025 तक मोबाइल फोन का उत्पादन 6.76 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान था और यदि हां, तो उक्त वृद्धि में घरेलू और विदेशी स्वामित्व वाली कंपनियों के अनुपात का ब्यौरा क्या है; और
ङ. भारतीय कामगारों के लिए सृजित की जाने वाली नौकरियों की संभावित संख्या का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री जितिन प्रसाद)

(क) से **(ङ)** माननीय प्रधानमंत्री के मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर, भारत सरकार ने इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण का एक संपूर्ण इकोसिस्टम विकसित करने के लिए कई नीतिगत पहलें की हैं। इन पहलों के परिणामस्वरूप, पिछले 11 वर्षों में भारत में इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण में काफी विस्तार हुआ है, जिसे निम्नलिखित आंकड़ों से देखा जा सकता है:

#	2014-15	2024-25	टिप्पणियां
इलेक्ट्रॉनिकी वस्तुओं का उत्पादन (रु.)	~1.9 लाख करोड़	~11.3 लाख करोड़	6 गुना वृद्धि
इलेक्ट्रॉनिकी वस्तुओं का निर्यात (रु.)	~0.38 लाख करोड़	~3.3 लाख करोड़	8 गुना वृद्धि

मोबाइल फोन निर्माण ने भारतीय इलेक्ट्रॉनिकी इकोसिस्टम के इस विकास में एक प्रमुख भूमिका निभाई है। पिछले दशक में, भारत ने मोबाइल फोन निर्माण और निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है। भारत दुनिया में दूसरे सबसे बड़े मोबाइल निर्माता के रूप में उभरा है। भारत एक ऐसे चरण में पहुंच गया है जहां भारत में बेचे जा रहे लगभग 99% मोबाइल हैंडसेट 'मेड इन इंडिया' (मात्रा के संदर्भ में) हैं। यह वित्त वर्ष 2014-15 की तुलना में एक उल्लेखनीय बदलाव है, जब भारत में बेचे जाने वाले लगभग 74% मोबाइल फोन आयात किए गए थे। अब, भारत वर्ष 2014 में मोबाइल फोन का आयातक होने से मोबाइल फोन का निवल निर्यातक बन गया है। पिछले दशक में मोबाइल फोन के उत्पादन और निर्यात संबंधी रुझान नीचे दी गई तालिका में दर्शाए गए हैं:

#	2014-15	2024-25	टिप्पणियां
मोबाइल फोनों का उत्पादन (रु.)	~0.18 लाख करोड़	~5.5 लाख करोड़	28 गुना वृद्धि
मोबाइल फोनों का निर्यात (रु.)	~0.01 लाख करोड़	~ 2 लाख करोड़	127 गुना वृद्धि

मोबाइल फोन का निर्यात वित्त वर्ष 2023-24 में 1.29 लाख करोड़ रुपये से 1.6 गुना बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 2.05 लाख करोड़ रुपये हो गया है। निर्यात के ये आंकड़े डीजीसीआईएस (वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय) के आंकड़ों के अनुसार हैं, जो https://trade-analytics.commerce.gov.in पर सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध हैं ।
आर्थिक समीक्षा 2025-26 के अनुसार, मोबाइल फोन निर्माण से सितंबर 2025 तक कुल 9.34 लाख करोड़ रुपये का उत्पादन और 5.12 लाख करोड़ रुपये का निर्यात हुआ है।

उद्योग के अनुमानों के अनुसार, इलेक्ट्रॉनिकी उद्योग 25 लाख से अधिक लोगों को रोजगार देता है।

इसके अलावा, इलेक्ट्रॉनिकी व्यापार का 75% से अधिक वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं (जीवीसी) द्वारा किया जाता है। जीवीसी प्रतिस्पर्धात्मक लाभ के विभिन्न कारकों के आधार पर अपनी विनिर्माण और आपूर्ति श्रृंखला का पता लगाते हैं। एमएसएमई और उनके कुशल कार्यबल जीवीसी को पूरक शक्ति प्रदान करते हैं। परिणामस्वरूप, ये एमएसएमई बड़े पैमाने पर इन जीवीसी की आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा बनते जा रहे हैं। इस प्रक्रिया में, ये एमएसएमई न केवल घरेलू बाजार के लिए बल्कि निर्यात के लिए भी जीवीसी को विश्व स्तरीय उत्पाद प्रदान करने हेतु अपनी क्षमताओं और दक्षताओं का विकास और सुदृढ़ीकरण कर रहे हैं।

****